PRINT COVERAGE

Publication	Headline	Edition	Date	Pg no.
Navbharat Times	Child gets new life	Noida	May 4, 2017	4

बच्चे को मिला नया जीवन

■ एनबीटी न्यूज, नोएडा

फोर्टिस हॉस्पिटल की टीम ने हादसे में घायल हुए एक बच्चे का ऑपरेशन कर उसे दिव्यांग होने से बचाया है। यह नामुमकिन काम को संभव कर दिखाया डॉ. वैभव मिश्रा और उनकी टीम ने। सेक्टर-62 के रजत विहार में रहने वाले मयंक लवानिया का बेटा आर्यन लवानिया (10) पार्क में साइकल चला रहा था। उसी समय वह अचानक साइकल से गिरा और साइकिल का हैंडल उसके पैर के आर-पार हो गया। इस बारे में सूचना मिलते ही फोर्टिस हॉस्पिटल के डॉक्टरों की टीम डॉ. दीना शाह के नेतृत्व में पार्क में पहुंची और बच्चे को अस्पताल ले गई। इसके बाद डॉ. वैभव मिश्रा ने आर्यन की एक बड़ी सर्जरी की और उसे दिव्यांग होने से बचा लिया। डॉ. वैभव मिश्रा ने कहा कि हमने बच्चे की उन नसों को ठीक किया, जिनसे खून बह रहा था। आर्यन 48 घंटे बाद घर जाने लायक हो गया था।

Publication	Headline	Edition	Date	Pg no.

फोर्टिस नोएडा ने लिंब–सर्जरी कर दस साल क बच्चे को अपाहिज होने से बचाया

नोएडा : फोर्टिस हॉस्पिटल, नोएडा की टीम ने हाल ही में नोएडा के एक बच्चे की जटिल सर्जरी कर उसे विकलांग होने से बचाने में सफलता हासिल की है। इस सर्जरी ने फोर्टिस के डॉक्टरों की टीम की क्लिनिकल निपुणता और कुशलता का प्रदर्शन किया। डॉ. दीना शाह, अतिरिक्त निदेशक, इमरजेंसी विभाग के नेतृत्व में इमरजेंसी टीम उस पार्क में पहुंची जहां 10 वर्षीय आर्यन लघानिया बेतहाशा दर्द में जमीन पर पड़ा हुआ था और उसका काफी खून बह रहा था।

इसके बाद डॉ. वैभव मिश्रा, वरिष्ठ सलाहकार, कार्डियो थोरासिक एंड वैस्क्यूलर सर्जरी ने आर्यन की एक बड़ी सर्जरी की और उसके पैर को बचाने में सफलता प्राप्त की। यह घटना एक सामान्य दोपहर की है जब आर्यन अपने घर के पास ही एक पार्क में साइकिलिंग कर रहा था और इसी दौरान उसका बैग जमीन पर गिर गया। उसने साइकिल पर बैठे–बैठे ही बैग को उठाने की कोशिश की लेकिन संतुलन खो बैठा। उसकी साइकिल के हैंडल का एक हिस्सा उसकी बाईं जांघ के भीतर घुस गया जिससे उसका पैर प्रभावित हुआ। इस दुर्घटना की जानकारी मिलते ही फोर्टिस, नोएडा की आपातकालीन टीम मौके पर पहुंची और इंट्रावेनस फ्लूइड्स और दर्द कम करने की दवाओं के साथ बच्चे का उपचार शुरू किया। लगातार गर्म हवाओं की वजह से आर्यन के शरीर में पानी की भी कमी हो गई थी। आपातकालीन चिकित्सा टीम ने साइकिल विक्रेता के आने और साइकिल से हैंडल को काटकर अलग करने तक प्रतीक्षा की जिसके बाद उसे उसकी जांघ के भीतर घुसे हैंडल के साथ हॉस्पिटल तक पहुंचाया गया। जरूरी जांच तत्काल पूरी की गई। मरीज़ की चोट की जांच की गई और ऑपरेशन थियेटर में साइकिल के हैंडल को निकालने की प्रक्रिया पूरी की गई। दो दिन बाद आर्यन को अस्पताल से छुट्टी मिल गई और उसे पूरी तरह स्वस्थ होने तक कुछ जरूरी सावधानियां बरतने की सलाह दी गई है।

डॉ. दीना शाह, अतिरिक्त निदेशक, इमरजेंसी विभाग, फोर्टिस हॉस्पिटल, नोएडा ने कहा, ''यह बहुत ही अच्छी बात थी कि किसी ने भी आर्यन की जांघ में घुसे हैंडल को बाहर निकालने की कोशिश नहीं की थी, ऐसा करना घातक हो सकता है।

मरीज की सुरक्षा के लिए यह जरूरी था कि शरीर के भीतर घुस चुकी किसी भी बाहरी चीज को जस–का–तस छोड़ दिया जाए और इसे काटने या ठीक करने का काम विशेषज्ञों द्वारा किया जाए। लोगों को याद रखना चाहिए कि ऐसी किसी भी परिस्थिति में प्रशिक्षित पैरामेडिकल स्टाफ के साथ एक एंबुलेंस को बुलाना सबसे अच्छा होता है जो स्थिति का सामना कर सकें और परेशानी से उबरने में मरीज की मदद कर सकें और उचित उपचार के लिए मरीज को हॉस्पिटल तक पहुंचा सकें।''

डॉ. वैभव मिश्रा, वरिष्ठ सलाहकार, कार्डियो थोरेसिक एंड वैस्क्यूलर सर्जरी, फोर्टिस हॉस्पिटल, नोएडा ने कहा, ''ऐसे मामलों में किसी भी बाहरी चीज को जबरदस्ती बाहर निकालते हुए खून की नसों को नुकसान पहुंच सकता है जिससे अनियंत्रित और अत्यधिक खून बह सकता है और यह कुछ मामलों में जानलेवा साबित हो सकता है। हमने उसकी उन नसों को ठीक किया जिनसे खून बह रहा था और उन्हें ठीक करने के लिए स्किन और टिश्यू सर्जरी की। आर्यन 48 घंटों बाद घर जाने लायक हो गया था।''

डॉ. कौसर अली शाह, जोनल निदेशक, फोर्टिस हॉस्पिटल, नोएडा ने कहा, ''हमारी टीम का पूरा ध्यान हमेशा गुणवत्तायुक्त विशेषज्ञता के साथ मरीज केंद्रित स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर डिलिवरी की ओर होता है। हालांकि आर्यन को गंभीर स्थिति में लाया गया था और उसका काफी खून बह गया था, हमारी इमरजेंसी टीम ने कार्डियो–थोरासिक विभाग के सक्रिय सहयोग के साथ ध्यानपूर्वक सर्जरी करने की योजना बनाई और यह सुनिश्चित किया कि मरीज सफलतापूर्वक ठीक होकर घर वापस जाए।''

Aman India	Child gets new life	Noida	May 4, 2017	4

Publication	Headline	Edition	Date	Pg no.
Vishwa Guru	Child gets new life	Noida	May 5, 2017	1

फोर्टिस नोएडा ने लिंब-सर्जरी कर दस साल के बच्चे को अपाहिज होने से बचाया

-संवाददाता-

नोएडा। फोर्टिस हॉस्पिटल, नोएडा की टीम ने हाल ही में नोएडा के एक बच्चे की जटिल सर्जरी कर उसे विकलांग होने से बचाने में सफलता हासिल की है। इस सर्जरी ने फोर्टिस के डॉक्टरों की टीम की क्लिनिकल निपुणता और कुशलता का प्रदर्शन किया। डॉ. दीना शाह, अतिरिक्त निदेषक, इमरजेंसी विभाग के नेतृत्व में इमरजेंसी टीम उस पार्क में पहुंची जहां 10 वर्शीय आर्यन लवानिया बेतहाषा दर्द में जमीन पर पड़ा हुआ था और उसका काफी खून बह रहा था। इसके बाद डॉ. वैभव मिश्रा, वरिश्ठ सलाहकार, कार्डियो थोरासिक एंड वैस्क्यूलर सर्जरी ने आर्यन की एक बड़ी सर्जरी की और उसके पैर को बचाने में सफलता प्राप्त की। यह घटना एक सामान्य दोपहर की है जब आर्यन अपने घर के पास ही एक पार्क में साइकिलिंग कर रहा था और इसी दौरान उसका बैग जमीन पर गिर गया। उसने साइकिल पर बैठे-बैठे ही बैग को उठाने की कोषिष की लेकिन संतुलन खो बैठा। उसकी साइकिल के हैंडल का एक हिस्सा उसकी बाईं जांघ के भीतर घुस गया जिससे उसका पैर प्रभावित हुआ। इस दुर्घटना की जानकारी मिलते ही फोर्टिस, नोएडा की आपातकालीन टीम मौके पर पहुंची और इंट्रावेनस फ्लूइड और दर्द कम करने की दवाओं के साथ बच्चे का उपचार शुरू किया। लगातार गर्म हवाओं की वजह से आर्यन के शरीर में पानी की भी कमी हो गई थी। आपातकालीन चिकित्सा टीम ने साइकिल विक्रेता के आने और साइकिल से हैंडल को काटकर अलग करने तक प्रतीक्षा की जिसके बाद उसे उसकी जांघ के भीतर घुसे हैंडल के साथ हॉस्पिटल तक पहुंचाया गया। जरूरी जांच तत्काल पूरी की गई। मरीज़ की चोट की जांच की गई और ऑपरेषन थियेटर में साइकिल के हैंडल को निकालने की प्रक्रिया पूरी की गई। दो दिन बाद आर्यन को अस्पताल से छुट्टी मिल गई और उसे पूरी तरह स्वस्थ होने तक कुछ जरूरी सावधानियां बरतने की सलाह दी गई है। डॉ. दीना शाह, अतिरिक्त निदेषक, इमरजेंसी विभाग, फोर्टिस हॉस्पिटल, नोएडा ने कहा, ''यह बहुत ही अच्छी बात थी कि किसी ने भी आर्यन की जांघ में घुसे हैंडल को बाहर निकालने की कोषिष नहीं की थी, ऐसा करना घातक हो सकता है।

Publication	Headline	Edition	Date	Pg no.
Hint	Child gets new life	Noida	May 5, 2017	2

फोर्टिस ने लिंब-सर्जरी कर बच्चे को अपाहिज होने से बचाया

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित फोर्टिस अस्पताल की टीम ने एक बच्चे की जटिल सर्जरी कर उसे विकलांग होने से बचाने में सफलता हासिल की है। डा0 दीना शाह के नेतृत्व में इमरजेंसी टीम उस पार्क में पहुंची जहां 10 वर्षीय आर्यन दर्द में जमीन पर पड़ा हुआ था और उसका काफी खून बह रहा था। इसके बाद डा0 वैभव मिश्रा ने आर्यन की एक बड़ी सर्जरी की और उसके पैर को बचाने में सफलता प्राप्त की।

अस्पताल द्वारा जारी एक प्रेस नोट में बताया गया है कि जब आर्यन अपने घर के पास ही पार्क में साइकिलिंग कर रहा था और इसी दौरान उसका बैग जमीन पर गिर गया। उसने साइकिल पर बैठे-बैठे ही बैग को उठाने की कोशिश की लेकिन संतुलन खो बैठा। उसकी साइकिल के हैंडल का एक हिस्सा उसकी बाईं जांघ के भीतर घुस गया जिससे उसका पैर प्रभावित हुआ। इस दुर्घटना की जानकारी मिलते ही फोर्टिस की आपातकालीन टीम मौके पर पहुंची और इंट्रावेनस फ्लूइड और दर्द कम करने की दवाओं के साथ बच्चे का उपचार शुरू किया।